25/1

2010

HINDI

Paper I

(Literature)

Time : 3 Hours] *[Maximum Marks : 300*

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt all questions from Part A, B and C. In Part D attempt any ***three*** *questions out of five questions.*

Answers must be written in Hindi.

PART A

4×5=20

निम्नलिखित पर लगभग 50 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक हैं ।

1. (क) रासो काव्य की पृष्ठभूमि

(ख) दक्षिण भारत में भक्ति-आंदोलन का उदय

(ग) रीतिकाल के कवि —भूषण

(घ) हिन्दी की महत्त्वपूर्ण बोली —अवधी

PART B

10×10=100

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं ।

2. रीतिकालीन काव्य के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

3. ब्रजभाषा का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास पर प्रकाश डालिए ।

4. हिन्दी साहित्य के विकास में अपभ्रंश के योगदान की चर्चा कीजिए ।

5. छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए ।

6. द्विवेदी-युग के नाट्य-साहित्य पर विचार कीजिए ।

7. समकालीन कविता की विशेषताओं का आकलन कीजिए ।

8. जनवादी कहानी की विकास-यात्रा को रेखांकित कीजिए ।

9. ध्वनि-संप्रदाय का परिचय दीजिए ।

10. हिन्दी का प्रथम कवि कौन है ? चर्चा कीजिए ।

11. मानक हिन्दी से क्या तात्पर्य है ? बताइए ।

PART C

6×15=90

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक हैं ।

12. पश्चिमी हिन्दी की प्रमुख बोलियों का परिचय दीजिए ।

13. प्रगतिवादी काव्यधारा की प्रवृत्तिगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

14. रामभक्ति-काव्यधारा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

15. आचार्य भरत के रससूत्र का उल्लेख करते हुए रसांगों का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

16. भाषा और बोली में अंतर क्या है ? समझाइए ।

17. 'दक्खिनी' पर प्रकाश डालिए ।

PART D

3×30=90

*निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लगभग 300 शब्दों में उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के 30 अंक हैं ।*

18. भारतेंदु-युग की काव्य-प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए ।

19. 'नई कविता' की विशेषताओं का आकलन कीजिए ।

20. देवनागरी लिपि की विशिष्टताओं का विवेचन कीजिए ।

21. हिन्दी रंगमंच के इतिहास पर प्रकाश डालिए ।

22. हिन्दी संस्मरण-साहित्य का परिचय दीजिए ।

25/2

2010

HINDI

Paper II

(Literature)

Time : 3 Hours] *[Maximum Marks : 300*

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt all questions from Part A, B and C. In Part D attempt any ***three*** *questions out of five questions.*

Answers must be written in Hindi.

SEAL

PART A

4×5=20

निम्नलिखित पर लगभग 50 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक हैं ।

1. (क) कबीर की उलटबाँसियाँ

(ख) सूरदास और पुष्टिमार्गीय भक्ति

(ग) प्रेमचन्द की कहानी 'बड़े भाई साहब'

(घ) 'अंधेर नगरी' का उद्देश्य

PART B

10×10=100

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक हैं ।

2. कबीर-काव्य के साहित्यिक सौंदर्य पर विचार कीजिए ।

3. सूरदास के 'भ्रमरगीत' का परिचय दीजिए ।

4. 'पूस की रात' कहानी का विवेचन कीजिए ।

5. " 'राम की शक्ति-पूजा' निराला की प्रतिनिधि रचना है" —सिद्ध कीजिए ।

6. 'गोदान' के आधार पर धनिया की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

7. 'श्रद्धा-भक्ति' निबंध की समीक्षा कीजिए ।

8. 'चन्द्रगुप्त' नाटक के चन्द्रगुप्त का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

9. 'शेखर : एक जीवनी' के आधार पर बालक शेखर की अहं भावना का परिचय दीजिए ।

10. 'कामायनी' की श्रद्धा की स्वभावगत विशेषताओं का आकलन कीजिए ।

11. 'रामचरितमानस' के अयोध्याकांड का महत्त्व निरूपित कीजिए ।

PART C

6×15=90

निम्नलिखित पद्यांशों में से संदर्भ सहित व्याख्या करते हुए, उसके काव्यगत सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए (लगभग 150 शब्दों में) । प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक हैं ।

12. फिरि फिरि कहा सिखावत बात ?
प्रातकाल उठि देखत ऊधो घर-घर माखन खात ।।
जाकी बात कहत हौ हमसों सो है हमसों दूरि ।
हयाँ है निकट जसोदानंदन प्रान-संजीवन मूरि ।।
बालक संग लये दधि चोरत, खात, खवावत, डोलत ।
'सूर' सीस सुनि चौंकत नावहिं अब काहे न मुख बोलत ?।।

13. सतगुर सांचा सूरिवाँ, सबद जु बाह्या एक ।
लागत ही मैं मिल गया, पड़्या कलेजे छेक ।।
सतगुर मार्या बाण भरि, धरि करि सूधी मूठि ।
अंगि उघाड़ै लागिया, गई दवा सूं फूटि ।।

14. बोला मैं —"मैं हूँ रिक्त हस्त
इस समय, विवेचन में समस्त —
जो कुछ है मेरा अपना धन
पूर्वज से मिला, करूँ अर्पण
यदि महाजनों को, तो विवाह
कर सकता हूँ, पर नहीं चाह
मेरी ऐसी, दहेज देकर
मैं मूर्ख बनूँ, यह नहीं सुधर
बारात बुलाकर मिथ्या व्यय
मैं करूँ, नहीं ऐसा सुसमय ।

15. तेजो प्रभावमय उसका ललाट देख
मेरे अंग-अंग में अजीब एक थर-थर ।
गौर वर्ण, दीप्त-दृग, सौम्य-मुख
संभावित स्नेह-सा प्रिय-रूप देख कर
विलक्षण शंका,
भव्य आजानुभुज देखते ही साक्षात्
गहन एक संदेह ।

16. जिन कर्मों से दूसरे के वास्तविक सुख का साधन और दुःख की निवृत्ति हो, वे शुभ और सात्त्विक हैं तथा जिस अन्तःकरण-वृत्ति से इन कर्मों में प्रवृत्ति हो वह सात्त्विक है । कृपा या अनुग्रह से भी दूसरों के सुख की योजना की जाती है, पर एक तो कृपा-अनुग्रह में आत्मभाव छिपा रहता है और उनकी ओर प्रेरणा से पहुँचाया हुआ सुख एक प्रकार का प्रतिकार है । दूसरी बात यह है कि नवीन सुख की योजना की अपेक्षा प्राप्त दुःख की निवृत्ति की आवश्यकता अत्यंत अधिक है ।

17. आर्यावर्त का भविष्य लिखने के लिए कुचक्र और प्रतारणा की लेखनी और मसि प्रस्तुत हो रही है । उत्तरापथ के खण्ड-राज्य द्वेष से जर्जर हैं । शीघ्र भयानक विस्फोट होगा ।

PART D

$3 \times 30 = 90$

*निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के लगभग 300 शब्दों में उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न के 30 अंक हैं ।*

18. तुलसीदास के 'रामचरितमानस' के काव्यगत वैशिष्ट्य का विवेचन कीजिए ।

19. कबीर के दार्शनिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए ।

20. " 'राम की शक्ति-पूजा' में व्यक्तिगत भावों की अपेक्षा जातिगत भावों का बाहुल्य है" —इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

21. निरूपित कीजिए कि 'गोदान' एक गद्यात्मक महाकाव्य है ।

22. 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास के मनोवैज्ञानिक आयाम पर विचार कीजिए ।

SEAL